LOK SABHA

Friday, August 31, 1973/Bhadra 9, 1895 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

RE: POINT OF ORDER

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, नियम 38 के तहत मेरा व्यवस्था का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : अभी तो क्वोश्चन आवर चलेगा । आप व्यवस्था का प्रश्न बाद में उठा सकते है ।

श्री मधु लिमये : मेरा व्यवस्था का प्रश्न क्वेश्चन आवर के बारे में ही है । मैंने महाराष्ट्र के एक मंत्री के बारे में, जिस के सिक्युरिटि गार्ड ने एक कस्टम्ज आफ़िसर को तमाचा मारा था, तारांकित प्रश्न दिया था । मैं ने वह प्रश्न प्रधान मंत्री के नाम दिया था । क्योंकि मैं रेवेन्यू इनटेलिजेंश और सी० बी० आई० के द्वारा जांच चाहता था । उस के प्रश्नों में प्रायर्टी नम्बर एक मिली थी और मैं ने भी उस की वरीयता दी थी, लेकिन बिना मेरी अनुमति के उस प्रश्न को वित्त मंत्री को ट्रांसफर कर दिया गया, जिस से मेरी प्रायर्टी खत्म हो गयी और आज वह अतारांकित बन कर आया है । (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये लोग हल्ला क्यों कर रहे हैं ? मैं इस बारे में आप से मिल चुका हूं । (व्यवधान) जैसा कि मैंने कहा है, यह प्रश्न वित्त मंत्री को ट्रांस्फर कर दिया गया और वह तारांकित प्रश्नों की सूची में नहीं आ सका और मुझे जो वरीयता उस दिन के लिए मिली थी, वह भी खत्म ही गयी है और इस लिए मैं सप्लीमेंटरीज नहीं पूछ सकता हूं । इसलिए जब ऐसे दो मंत्रालयों से सम्बन्धित आर्डर-आ न सवाल आयें, तो आप को मंत्रियों को भी सूचित करना चाहिए और हम लोगों को भी सूचित करना चाहिए । इस में अगर मेरी गलती होती, तो मैं व्यवस्था का प्रश्न न उठाता । लेकिन प्रेजिडेंट के नोटिफिकेशन के अनुसार रेवेन्यू इनटेलीजेंस और सी० बी० आई० तो कैबिनेट एफेयर्ज डिपार्टमेंट, यानी प्रधान मंत्री, के तहत आते हैं और इस लिए मैं ने यह प्रश्न उन्हीं को एड्रेस किया था । यह प्रश्न महत्वपूर्ण हैं । मैं ने इस बारे में प्रधान मंत्री को पत्र लिखा था । उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि मैं उस की जांच करूंगी । इस बारे में उन का पत्र भी आया है । यह आर्डर का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : आर्डर की बात नहीं है। आप ने सवाल उठाया कि प्रधान मंत्री ने वह सवाल अपने पास नहीं रखा, बल्कि दूसरे मिनिस्टर को भेज दिया । वह तो मिनिस्टर का राइट है । जहां तक आप की प्रायर्टि का सवाल है, मैं इस को एग्जामिन करूंगा और देखूंगा कि इस में क्या पोजिशन है। यह मिनिस्टर का राइट है कि वह क्वेश्चन को ट्रांसफ़र करे ।

श्री मधु लिमये: वह तो ठीक है । (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मेरे खड़े होते ही इन लोगों को ज्वर चढ़ जाता है । (व्यवधान)

श्री बसन्त साठे: यह मलेरिया के मच्छर हैं, इस लिए ज्वर चढ़ जाता है । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय । सेशन को डेढ़ महीना हो गया है । क्या आप लोग थके नहीं हैं ? आप ने फिर शुरू कर दिया है । (व्यवधान) जब मैं किसी को एलाऊ करता हू, तो मैं उस को सुनता हूं, लेकिन मैंने देखा है कि एक तरफ़ के

सदस्य उठते हैं, तो दूसरी तरफ के भी खड़े हो जाते है, जैसे वे किसी अडर-करन्ट से जुड़े हुए हों या कोई मैकेनिकल एरेजमेट हो ।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, मैं कोई बटन नही दबाता हू । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय अब सेशन के सिर्फ तीन चार दिन रहे गये है । माननीय सदस्य शान्ति से काम करे। अगर लगाई करनी हो, तो घर मे जा कर करे।

श्री ज्योतिर्मय बसु वह हल्ला पार्टी है।

MR. SPEAKER. As if you are the gentlest.

New Agreement between Major Tea Exporting Countries in respect of Tea Export Quota

*521. SHRI B. S. BHAURA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state.

(a) whether a new agreement has been arrived at between major tea exporting countries regarding tea export quota, and

(b) if so, the broad outlines thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI A. C. GEORGE): (a) and (b). In continuation of the informal arrangement in force from first January, 1970 for regulating the exports from major producing countries, the sixth session of sub-group of tea exporters was held in Rome from 2nd to 4th July, 1973 under the auspices of F.A O. where new export quotas for 1973-74 and 1974-75 were fixed in respect of 15 tea exporting countries accounting for about 95 per cent of total world tea exports The global tea exports agreed for 1973-74 and 1974-75 are 657 million kgs. and 681 million kgs. respectively. India's share is 217.8 million kgs. for 1973-74 and 224.3 million kgs. for 1974-75.

SHRI B. S. BHAURA: May I know from the hon. Minister whether it is a fact that in major exporting countries like the U.K. and U.S.A., our tea is ruling very much? Is it due to our export policy which, the world recognises? Also our price is going up, their demand is not increasing because of cost of production and also because they get that from other countries?

SHRI A C. GEORGE It is true that U K used to be our most important traditional buyer of tea. Their demand has gone down not only in respect of Indian tea but even the total tea consumption has slightly gone down.

As I said earlier U.K used to be the most important buyer of tea. But, of late, there are many new tea producing countries that are coming up in the African continent. Most of them are sterling companies where only the U K may have a buying interest. I cannot agree with the hon Member that the price of tea has gone up In fact tea is one commodity where the price has gone down.

SHRI B S BHAURA Is it also a fact that our promotional activities in other countries are very less than those done by the smaller countries like Ceylon?

SHRI A C GEORGE Our promotional efforts are good. But, there is definitely room for improvement. We are making the best effort to have an aggressive tea policy.

SHRI DINESH CHANDRA GOSWAMI May I know from the hon. Minister whether it is a fact that last year we could not fulfil our target of F.A.O quota of 200 million kilograms. In view of the fact that the price of tea is coming down and the cost of production is going up, whether the Government is making a total review of the export policy regarding tea?